

महावीर के जैन दर्शन पर प्रकाश

भगवान महावीर (599 ई.पू.-527 ई.पू.) जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर थे। उन्होंने प्राचीन भारत में उस समय के वैदिक अनुष्ठान, कर्मकांड और ब्राह्मणवादी परंपराओं के विरुद्ध एक नैतिक, आचार-प्रधान और आत्म-संयम पर आधारित दर्शन प्रस्तुत किया। उनके जैन दर्शन का मूल आधार अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह जैसे पंचमहाव्रत हैं।

1. जैन दर्शन का मूल तत्व – आत्मा और कर्म

महावीर का मानना था कि प्रत्येक जीव में आत्मा होती है, और वही चेतन का मूल स्रोत है। आत्मा शुद्ध, स्वतंत्र और आनंदमयी है, परंतु कर्म के बंधन के कारण वह संसार में जन्म-मरण के चक्र में फँसी रहती है। मुक्ति तभी संभव है जब आत्मा कर्मों से मुक्त हो जाए।

2. अनेकांतवाद (Anekantavada)

महावीर ने सिखाया कि सत्य एक नहीं, अनेक दृष्टियों से समझा जा सकता है। वस्तु के अनेक पहलू होते हैं, इसलिए किसी एक मत को पूर्ण सत्य मानना गलत है। इस विचार को अनेकांतवाद कहा जाता है — अर्थात् “सत्य सापेक्ष है, निरपेक्ष नहीं।”

3. स्यात्वाद (Syadvada)

यह अनेकांतवाद का ही व्यावहारिक रूप है। इसमें कहा गया कि किसी भी वस्तु या कथन को सात प्रकार से कहा जा सकता है — “यह है”, “यह नहीं है”, “यह है और नहीं है”, आदि। इसका उद्देश्य है सहिष्णुता और विवेकपूर्ण दृष्टिकोण को विकसित करना।

4. अहिंसा (Non-Violence)

महावीर के दर्शन का सबसे महत्वपूर्ण सिद्धांत अहिंसा है। उन्होंने कहा कि “सभी जीवों में आत्मा है, इसलिए किसी भी जीव को हानि पहुँचाना पाप है।” उन्होंने मानसिक, वाणी और शारीरिक – तीनों प्रकार की हिंसा का त्याग करने को कहा।

5. तीन रत्न (Ratnatraya)

मोक्ष प्राप्त करने के लिए महावीर ने तीन रत्नों की बात की:

1. सम्यक दर्शन – सत्य में विश्वास,

2. सम्यक ज्ञान – सत्य का यथार्थ ज्ञान,

3. सम्यक चरित्र – सही आचरण।

इन तीनों के संयोग से आत्मा कर्मबंधन से मुक्त होकर मोक्ष प्राप्त करती है।

6. नैतिक और सामाजिक दृष्टि

महावीर का जैन दर्शन केवल धार्मिक ही नहीं, बल्कि सामाजिक और नैतिक जीवन का भी मार्गदर्शन करता है। उन्होंने त्याग, संयम, समानता, और सहिष्णुता को मानव जीवन का आदर्श बताया।

निष्कर्षतः, महावीर का जैन दर्शन एक पूर्ण जीवन-दर्शन है जो व्यक्ति को आत्मसंयम, करुणा और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। यह दर्शन आज भी शांति, अहिंसा और पर्यावरण-संरक्षण की दृष्टि से अत्यंत प्रासंगिक है।